Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. वे वन जो ग्रीष्म ऋतु से पूर्व अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं, कहलाते हैं-

(अ) पर्णपाती वन
(ब) उष्ण कटिबंधीय आर्द्र वन
(स) ज्वारीय वन
(द) कंटीले वन

2. वह वन जो मीठे पानी और खारे पानी दोनों में पनपता है, उसे कहते हैं-

(अ) कटीले वन
(ब) पर्वतीय वन
(स) घासें
(द) वेलांचली वन

3. इंडिया स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2011 के अनुसार भारत में कितने प्रतिशत वन आवरण क्षेत्र है?

(अ) 33%
(ब) 84.01%
(स) 21.05%
(द) 23.28%

4. हिमालय के 3000 से 4000 मीटर की ऊँचाई पर कौन से वृक्ष पाए जाते हैं?

(अ) ओक, चेस्टनट
(ब) जूनिपर, पाइन, बर्च
(स) देवदार
(द) बल्यूपाइन स्प्रूस

5. कीकर, खैर, बबूल किस प्रकार के वन के वृक्ष हैं?

(अ) ज्वारीय वन
(ब) पर्णपाती
(स) उष्ण कटिबंधीय वन
(द) कंटीले वन

6. ज्वारीय वन अथवा डेल्टाई वन भारत के किन क्षेत्रों में पाए जाते हैं?

(अ) पश्चिमी तट
(ब) पूर्वी तट
(स) मन्नार की खाड़ी
(द) कच्छ की खाड़ी

7. निम्नलिखित में से कौन-सा शहरी वानिकी के अंतर्गत नहीं आता?

(अ) कृषि योग्य तथा बंजर भूमि पर पेड़ लगाना
(ब) सड़कों के साथ वृक्ष लगाना
(स) हरित पट्टी
(द) पार्क

8. भारत सरकार ने वन संरक्षण नीति कब लागू की?

(अ) सन् 1991 में
(ब) सन् 1972 में
(स) सन् 1988 में
(द) सन् 1952 में

9. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ-

(अ) 50 से.मी. वर्षा होती है।
(ब) 200 से.मी. वर्षा होती है।
(स) 100 से.मी. वर्षा होती है।
(द) 50 से.मी. से कम वर्षा होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. भारत में पाए जाने वाले मुख्य वनों में से कौन-सा वन 200 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाया जाता है?

(अ) कांटेदार वन (ब) शुष्क पतझड़ी वन

(स) सदा हरे (उष्णकटिबंधीय वर्षा) वन (द) पर्वतीय वन

रिक्त स्थान

11. भारत के लगभग _____ प्रतिशत क्षेत्रफल पर वनावरण होना चाहिए।

12. _____ अधिनियम 1972 में वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए लागू किया गया।

सत्य/असत्य

13. हिमालयी क्षेत्र में ऊँचाई बढ़ने पर वनस्पति में परिवर्तन दिखाई देता है।

14. भारत में कुल 18 जैवमंडल (बायोस्फीयर) रिजर्व हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. राष्ट्रीय उद्यान किसे कहते हैं?

16. हिमालयी वनस्पति को कितने प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है? इनके नाम बताइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं?

18. उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन में कौन-कौन से वृक्ष पाए जाते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. जीवमंडल निचय को परिभाषित करें। वन क्षेत्र और वन आवरण में क्या अंतर है?

20. सदाहरित और पर्णपाती वन में अंतर स्पष्ट करें।

HOTS

21. वन हमारे लिए क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. (अ)

इसे 'उष्ण मानसूनी वन' भी कहते हैं। ये पेड़ ग्रीष्म ऋतु के आरम्भ में अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं, इसलिए इसे पतझड़ वन भी कहते हैं।

2. (द)

वेलांचली वन खारे पानी में भी रह सकते है। ये मुख्यत: पश्चिम बंगाल के सुंदरवन तथा अंडमान एवं निकोबार के द्वीपसमूहों में पाए जाते है।

3. (स)

इंडिया स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2011 के अनुसार भारत में केवल 21.05 प्रतिशत वन आवरण क्षेत्र है। वन आवरण की पहचान वायु चित्रों और उपग्रह से प्राप्त चित्रों से की जाती है जबकि वन क्षेत्र राज्यों के राजस्व विभाग से प्राप्त होता है।

4. (ब)

3000 मीटर से अधिक ऊँचाई पर अल्पाइन वनों तथा चारागृह भूमियों का संक्रमण पाया जाता है। इन वनों के प्रमुख वृक्ष सिल्वर फर, चीड़, जूनिपर, पाइन, वर्च तथा जैनिफर हैं।

5. (द)

पठार के मध्यभाग में भी; जहाँ लम्बी शुष्क ग्रीष्म ऋतु मिलती है, ये वन पाये जाते हैं। बबूल, खैर, खजूरी तथा खेजरी इन वनों के कुछ प्रमुख उपयोगी वृक्ष हैं।

6. (ब)

ज्वारीय वन अथवा डेल्टाई वन भारत के पूर्वी तट क्षेत्रों में पाए जाते है।

7. (अ)

फसलों के साथ-साथ पेड़ों एवं झाड़ियों को समुचित प्रकार से लगाकर दोनो के लाभ प्राप्त करने को कृषि वानिकी कहा जाता है। फसलों के साथ-साथ पेड़ों एवं झाड़ियों को समुचित प्रकार से लगाकर दोनो के लाभ प्राप्त करने को कृषि वानिकी कहा जाता है। इसमें कृषि और वानिकी की तकनीकों का मिश्रण करके विविधतापूर्ण, लाभप्रद, स्वस्थ एवं टिकाऊ भूमि-उपयोग सुनिश्चित किया जाता है।

8. (द)

भारत सरकार ने पूरे देश के लिए वन संरक्षण नीति 1952 में लागू की।।

9. (स)

उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन भारत के उन क्षेत्रों में मिलते है जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 200 से.मी. से अधिक, सापेक्ष आर्दता 70 प्रतिषत से अधिक तथा औसत तापमान 240 के आसपास रहता है।

10. (स)

200 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सदाहरित (सदा हरे) वन पाए जाते हैं। इनमें वर्ष भर पत्तियां रहती हैं और वृक्षों की ऊंचाई 60 मीटर या अधिक होती है।

11. 33%

12. वन्यजीव संरक्षण

13. सत्य

14. सत्य

मिशन ज्ञान
पढ़ना जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

15. राष्ट्रीय उद्यान एक या अनेक परितंत्रों वाला वृहत क्षेत्र होता है। विशिष्ट वैज्ञानिक शिक्षा और मनोरंजन के लिए इसके पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं की प्रजातियों, भूआकृतिक स्थलों और आवासों को संरक्षित किया जाता है। 1936 में भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान था- हेली नेशनल पार्क, जिसे अब जिम कोर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के रूप में जाना जाता है।

16. हिमालयी वनस्पति को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है। इनके नाम इस प्रकार हैं-
  i. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती
  ii. उपोष्ण कटिबंधीय सदाबहार
  iii. शीतोष्ण कटिबंधीय
  iv. अल्पाइन

17. प्राकृतिक वनस्पति : वह वनस्पति जो मनुष्य द्वारा विकसित नहीं की गयी प्राकृतिक वनस्पति कहलाती है। इसे मनुष्यों की मदद की जरूरत नहीं होती और जो कुछ भी पोषक तत्व इन्हें चाहिए, प्राकृतिक वातावरण से इन्हे प्राप्त हो जाते है।

18. ये वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वार्षिक वर्षा 70 से 100 से.मी. तक होती है। उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन के प्रमुख वृक्ष सागौन, इमली, अमलतास, खैर, बाँस, पीपल, सेमल, महुआ आदि प्रमुख हैं।

19. जीव मंडल निचय विशेष प्रकार के भौतिक तथा तटीय पारिस्थितिक तंत्र हैं, जिन्हें यूनेस्कों के मानव और जीवमंडल प्रोग्राम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है। इनमें पशुओं के संरक्षण के साथ-ही-साथ पौधों का भी संरक्षण भी किया जाता है। जीवमंडल निचय के तीन मुख्य उद्देश्य हैं-
  i. पर्यावरण और विकास का मेल-जोल,
  ii. जीव विविधता और पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण,
  iii. अनुसंधान और देख-रेख के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क।

वन क्षेत्र, राजस्व विभाग के अंतर्गत अधिसूचित क्षेत्र है, चाहे वहाँ वृक्ष हों या न हों, जबकि वन आवरण प्राकृतिक वनस्पति का झुरमुट है तथा वास्तविक रूप में वनों से ढका है। वन क्षेत्र राज्यों के राजस्व विभाग से प्राप्त होता है यधपि वन आवरण की पहचान वायु चित्रों और उपग्रहों से मिले चित्रों से की जाती है।

20. सदाहरित और पर्णपाती वन में निम्नलिखित अंतर है :-

सदाहरित वन	पर्णपाती वन
सदाहरित वन के वृक्ष सदा हरे-भरे रहते हैं।	पर्णपाती वन में ग्रीष्म ऋतु से पूर्व वृक्ष की पतियाँ गिर जाती हैं।
सदाहरित वन उन क्षेत्रों में पाया जाता है जहाँ वर्षा 130 से 250 से.मी. के बीच होती है।	पर्णपाती वन उन क्षेत्रों में पाया जाता है, जहाँ वर्षा 60 से लेकर 120 से.मी. के बीच होती हैं।
इन वनों में अनेक जाति के पेड़ पाये जाते हैं।	ये 'विषिष्ट 'मानसूनी वन' हैं। कोपेन महोदय ने इसे 'सवाना वन' कहा है।
सदाहरित वन में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष एबनी, महोगनी, ऐनी, साइडर, कैल, होलक आदि हैं।	पर्णपाती वन में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष सागौन, इमली, अमलतास, खैर, बाँस, पीपल, सेमल, महुआ आदि हैं

21. वन हमारे लिए महत्त्वपूर्ण हैं:-
- **भोजन-** वन से भोजन के लिए कंद-मूल, फल-फूल की प्राप्ति होती है, जो कई आदिम जातियों के लिए आज भी भोजन प्राप्ति का एकमात्र साधन है।
- **फर्नीचर एवं जलावन के लिए लकड़ी-** वनों से हमें प्रतिवर्ष 4000 से अधिक प्रकार की लकड़ी प्राप्त होती है, जिनमें 500 से अधिक मूल्यवान लड़ियाँ हैं, जैसे - सागवान, शीषम, सखुआ, देवदार, चंदन इत्यादि। इससे हमें ईंधन या जलावन की लकड़ी भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होती है।
- **उद्योगों के लिए कच्चा माल-** कत्था, रबर, कृत्रिम रेषम, कागज, दियासलाई, बीड़ी इत्यादि विभिन्न उद्योग-धंधों के लिए कच्चा माल मिलता है।
- **पशुओं के लिए चारा-** वनों में चरने वाले पशुओं को वनों से चारा प्राप्त होता है।
- **काष्ठकोयला की प्राप्ति-** यह जलावन के अतिरिक्त शक्तिसाधन के रूप में उपयोगी सिद्ध हुआ है। भद्रावती का लौह-इस्पात कारखाना काष्ठकोयला का मुख्य रूप से उपयोग करता है।
- **जड़ी-बूटी आदि की प्राप्ति-** इससे जड़ी बूटी, मधु तथा फल-मूल की प्राप्ति होती है।
- **रेषम की प्राप्ति-** अण्डी तथा शहतूत पर रहने वाले रेषम के कीड़ों से रेषम मिलता है।